विचार बिन्दु

''जीवन के अच्छे दिनों में कभी भी उन लोगों को ना भूले जो जीवन के बुरे दिनों में आपके साथ थे।'' - अरविन्द कटोच

हम होंगे कामयाब, वर्ष 2047 तक, भारत होगा विकसित देश

हमारा देश भारत है। भारत शब्द 'भा' व 'रत' से मिलकर बना है। भा का अर्थ धर्म से है और रत का अर्थ लीन होने से है, अर्थात् देश धर्म प्रधान है। व्यक्ति का धार्मिक होना पर्याप्त नहीं है, नैतिक व चरित्रवान होना आवश्यक है। भारत सांस्कृतिक विविधताओं का देश है। भारत के लोग अलग-2 धार्मों के अनुयायी हैं। लोग 2000 से अधिक भाषायें बोलते हैं। यहाँ विभिन्न जातियां हैं और उनकी संस्कृति है। इस प्रकार देश धर्मों, जातियों, कला व संस्कृतियों का संगम है और यह विविधता ही इसकी सांस्कृतिक धरोहर है, शक्ति है और यही हमारी अखण्ड़ता को अक्षुण्ण बनाये हुये हैं। चारों वेदों ने हमें जो ज्ञान दिया है, उस तक कोई भी देश आज तक पहुँच नहीं पाया है। हमारा स्वर्णकाल कहीं खो गया है, हमें उसे प्राप्त करना है। हमारी परम्परायें और जीवनशैली अद्‌भुत है।

गांधी की अंहिसक क्रान्ति से हमने 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता प्राप्त की है। भारत के लोगों ने देश को एक संविधान दिया है। संविधान हमारे लिये गीता, कुरान, बाईबिल आदि धार्मिक ग्रन्थों से कम नहीं है। भारत के संविधान के अनुसार देश एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य है। जहां व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता को तथा बन्धुता को सुनिश्चित किया गया है। संविधान ने हमें मूल अधिकार दिये। जीने का अधिकार दिया और स्पष्ट किया कि यह अधिकार विलक्षता पूर्ण है क्योंकि यह गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। संविधान में नीति निदेशक तत्वों का उल्लेख है। न्यायमूर्ति के एस हेगडे के शब्दों में आर्थिक लक्ष्य निर्धारित किये जायें और उन्हें प्राप्त करने के लिये अहिंसक सामाजिक क्रान्ति का सूत्रपात किया जावे। ऐसी सामाजिक क्रान्ति के द्वारा संविधान आम आदमी की बुनियादी जरूरत को पूरा करने और हमारे समाज के सांचे ढांचे को बदलने का प्रयास करता है। इसका अर्थ था देश को सही अर्थों में स्वतंत्र बनाना है। व्यक्ति के गरिमा के साथ जीने के अधिकार का सुनिश्चित करना है। ऐसा देश निर्माण करना जहां कर्मकारों को निर्वाह मजदूरी (स्पअपदह ँहम) मिले। देश विकसित राष्ट्र हो। दुर्भाग्य का विषय था कि देश ने गत 75 सालों में भी देश को विकसित राष्ट्र बनाने में कोई सारभूत कदम नहीं उठाये। यह कृत्य नीति के निदेशक तत्वों के विरूद्ध है, जिसका उल्लेख संविधान के भाग 4 में दिया है।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने भारत के स्वतंत्रता दिवस की 78वीं वर्ष गांठ के अवसर पर देश को दिये गये सम्बोधन में 15.08.2024 को अपना दृढ संकल्प घोषित किया कि भारत सन् 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनेगा। अपने संकल्प को साकारता देने के हेतु पीएम मोदी ने विकसित भारत / 2047 युवाओं की आवाज कार्यशाला का शुभारम्भ किया। प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं का मार्ग दर्शन करने वालों को एक साथ होकर इस योजना में योगदान देने की अपील की। उन्होंने राजभवनों, विश्वविद्यालय के कुलपतियों, संस्थानों के प्रमुखों और संकाय सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उनका विश्वास है कि एक राष्ट्र अपने लोगों के विकास से ही विकसित हो सकता है। उन्होंने कहा, 'युवा शक्ति परिवर्तन की वाहक भी है और परिवर्तन की लाभार्थी भी है।' मोदी के संकल्प का आधार था कि 'भारत के लिये यह समय अमृतकाल है' यही समय है, सही समय है'। भारत को अपनी विकास यात्रा को तेजी से पूरा करना होगा। मोदी ने कहा विकसित भारत / 2047 का उद्देश्य स्वतंत्रता प्राप्ति के 100वें वर्ष यानी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। भारत को अपने विकास के हेतु आर्थिक विकास, सामाजिक सुधार, पर्यावरण की स्थिरता, सुशासन और चरित्र निर्माण पर विशेष ध्यान देना है। प्रश्न है भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिये क्या-क्या करना, क्या-क्या परिवर्तन लाना है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है वह भी अगस्त 2047 तक। भारत को विकसित राष्ट्र बनने के ख्याब को यथार्थ में पूरा करना है। अभी हम यूरोपीय देशों व अमेरिका को विकसित देश मामने है। यूरोपीय देशों में कुछ देश ऐसे भी हैं, जो हम जैसे हो सकते हैं। हम विचार करें अमेरिका से हम कहां कमजोर हैं। कौन सी ऐसी वस्तु अमेरिका के पास है जो हमारे पास नहीं है। कुछ समय पूर्व जिस दिन ट्रम्प ने अमेरिका के प्रेसीडेन्ट की शपथ ली तो एक न्यूज पेपर में यह समाचार छपा था कि पिछली बार जब ट्रम्प प्रेसीडेन्ट बने थे, उन्होंने तीस हजार से अधिक बार झूठ बोली, अपने वायदे पूरे नहीं किये। लगभग सभी राजनेता ऐसे हैं जो वायदे पूरे नहीं करते अत: इसे हम अधिक महत्व न देंवे अन्य क्षेत्रों की ओर ध्यान दें जहां हम अमेरिका से पीछे हैं। हमारी जीवन शैली का महत्वपूर्ण हिस्सा पारिवारिक मूल्य, हमारी परम्परायें हैं, हमारे रीति रिवाज, सामाजिक सहयोग, सामुदायिक और बन्धुत्व की भावना, फॉरिन पॉलिसी, तकनीकी ज्ञान, सुशासन और रामराज्य का सपना हमारी विशेषतायें हैं।

भारत सांस्कृतिक विविधताओं का देश है। भारत के लोग अलग-2 धर्मो के अनुयायी हैं।

भारत प्रयत्नशील है कि देश 2047 तक विकासशील देश बने और उसके सपने जो मोदीजी ने दिखाये हैं वे साकार हों। केन्द्रीय व वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मिनिस्टर निर्मला सीतारमण ने 22 सितम्बर 2024 को अपने भाषण में कहा था कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के हेतु देश सही मार्ग पर बढ़ रहा है और संस्थागत क्षमता निर्माण इसमें उचित, महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। विकसित भारत 2047 राष्ट्रीय सरकार का रोड मैप है। 2047 में भारत की आजादी के 100 वर्ष पूरे होंगे। अमेरिका डिफेन्स (रक्षा) के मामले में सभी देशों की अपेक्षा सबल है। जो विकसित देश की पहिचान है। इस संबंध में वित्त मंत्री ने कहा कि केन्द्र ने रक्षा क्षमताओं में आत्म निर्भरता बढ़ाने के लिये कोई कसर नहीं छोडी है। मंत्री महोदया ने कहा 'हमें अपने समग्र बंनियादी ढ्रांचे बाजार में कम्पनियों की स्थिति पर भी ध्यान देना होगा और भारतीय अर्थ व्यवस्था के डिजिटलीकरण को प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि हम विकसित भारत 2047 के लक्ष्य तक पहुंचेंगे और हम सही रास्ते पर हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है वर्ष 2047 तक विकसित देश बनने के सपनों को साकार करने के हेतु भारत बुलन्द इरादों से आगे तेज गति से बढ़ रहा है। हमें चुनावों को निष्पक्ष बनाना होगा और फ्रीबीज के वायदों से बचना होगा। एक विकसित राष्ट्र बनने के लिये यह आवश्यक है कि उसका रक्षा तंत्र मजबूत हो, आर्थिक विकास का मंत्र उसके पास हो, सामाजिक और आर्थिक न्याय करने में वह सक्षम हो। पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन की कला सहित विकास के सभी पहलुओं पर वह गतिशील हों। आर्थिक दृष्टि से हम देखें तो भारत एक विकासशील अर्थ व्यवस्था है, जो संसार की सबसे अधिक विकास दर (8.2 प्रतिशत) के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत वर्तमान में 3 ट्रिलियन डालर की जीडीपी के साथ विश्व की 5वीं बड़ी इकॉनोमी बन चुका है और शीघ्र ही हमारा देश अमेरिका व चीन के बाद 5 ट्रिलियन डालर की जीडीपी के साथ तीसरी बड़ी इकॉनोमी होगा। भारत की विदेशी मुद्रा भंडार, स्टार्ट अप्स, डिजीटल भुगतान, एफडीआई, रोजगार, विनिर्माण क्षेत्र, सेवा क्षेत्र व कृषि उत्पादन सभी संतोषजनक हैं। देश की अर्थ व्यवस्था में कृषि को प्रमुख स्थान है। 61 प्रतिशत लोग इस पर निर्भर हैं। देश उद्योग व सेवा क्षेत्र में गतिशीलता के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत के आईटी और बीपीओ उद्योगों ने विश्व स्तर पर अपनी पहिचान बनाई है। भारत की विज्ञान और प्रोद्यौगिकी के क्षेत्र में अपनी शक्ति का अच्छा प्रदर्शन किया है। उसका चन्द्रयान मिशन व अन्तरिक्ष अन्वेषण उसे विश्व के विकसित देशों की श्रेणी में बराबर की श्रेणी में रखता है। मोदीजी ने भारत को एक वैश्विक लीडर के रूप में स्थापित किया है। कोरोना के समय भारत की वेक्सीन ने देश को बहुत ऊँचाई तक पहुँचाया है। भारत एक मात्र राष्ट्र है जिसने जलवायु परिवर्तन के सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त किया है। भारत जी-20 का एक मात्र देश है जिसने अपने लक्ष्यों को निर्धारित समय से भी पहले पूरा किया है। वह 6जी तकनीक पर तीव्रगति से आगे जा रहा है। 6जी से संबंधित पेटेन्ट दाखिल करने में भारत शीर्ष 6 देशों में है। वह आगामी तीन वर्षों में सभी 6जी पेटेन्ट में 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी प्राप्त करने में सफल हो सकता है। 2014 में भारत की अक्षय ऊर्जा क्षमता 75 गीगावाट थी, अब वह 201,457.91 मेगावाट है। ट्रम्प ने राष्ट्रपति की शपथ पर कई घोषणायें की हैं। उनकी घोषणा के अनुसार स्टार गेट नाम एक नई कम्पनी के माध्यम से एआई बुनियादी ढांचे पर 50,000 करोड़ डालर खर्च होंगे। भविष्य में एआई का प्रयोग हर क्षेत्र में बढ़ेगा। यह गरीब देशों के लिये खतरा है। इसके अतिरिक्त ट्रम्प के वायदों ने राजनीति में भूचाल आ चुका है। इजरायईल के युद्ध ने और यूक्रेन रूस के युद्ध ने अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर कई चुनौतियों उत्पन्न की हैं। महायुद्ध होने का भय संसार के सभी देशों को डरा रहा है। ट्रम्प द्वारा की गई डब्ल्यूएसओ छोड़ने की घोषणा ने तथा पेरिस एग्रीमेण्ट से अलग होने के निर्णय ने संसार का पर्यावरण ही दूषित हो चुका है। भारत को यूरोपियन यूनियन, चीन व रूस की ओर देखना होगा और अधिक सहयोग व मदद के हेतु। भारत को वैश्विक स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण में अपनी भूमिका को शक्ति व ऊर्जा देनी होगी। भारत में संसार के देशों को नेतृत्व देने की क्षमता है। कृत्रिम बुद्धिमता के विकास ने नई चुनौतियों को उत्पन्न कर दिया है। भारत को सावधान रहना होगा। भविष्य में सब कुछ बदलने वाला है। अब सेना युद्ध नहीं लडेगी उसके स्थान पर रोबोट लडेंगे। अस्पतालों में डाक्टर सर्जरी नहीं करेंगे, अब यह काम भी रोबोट करेंगे। भारत ने यों तो डिजीटल तकनीक के बुनियादी ढांचे में बहुत प्रगति की है। भारत को ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्र तेजी से बढ़ाने होंगे जो अर्थ व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। भारत के सामने कई चुनौतियां हैं भारत को इन्हें खतरे के स्थान पर अवसर के रूप में लेना होगा। भारत को भ्रष्ट नेताओं, कालेधन वालों से लड़ना है। समय आ गया है जब भूख के लिये रोटी की चोरी करने वालों को सजा नहीं होगी। जेल रिश्वत खोर अधिकारियों व फर्जी नेताओं से भरे जायेंगे। भारत का संविधान एक सर्वाधिक व्यापक दस्तावेज है। यह एक अनूठा ग्रन्थ है। इसे किसी भी सांचे में ढ्राला जा सकता है। यह अनम्य तथा नम्य, परिसंघीय तथा एकात्मक और अध्यक्षीय तथा संसदीय रूपों का अच्छा मिश्रण है। राज्य नीति के निदेशक तत्व हमारे संविधान की एक अदभुत विशेषता है। लोगों के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक अधिकार इनमें सम्मिलित किये गये हैं। सुशासन चलाने के लिये इनमें मार्ग दर्शन दिये गये हैं। यह वर्तमान पीढ़ी ही नहीं अपितु आने वाली पीढ़ियों के लिये भी वरदान है। इसमें सब परिस्थितियों के लिये संशोधन किये जाने का मंत्र दिया गया है इसमें जादुई चिराग छिपा है। भारत अपने संविधान के अनुसार 2047 तक विकासशील देश अवश्य बनेगा। भारत अपने लक्ष्य को पूरा करेगा। आगामी बजट किसानों के घावों पर मरहम लगाने व स्वास्थ्य को समर्पित होगा। भारत विश्व को नेतृत्व देगा। हम होंगे कामयाब।

सत्यमेव जयते!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

वैश्विक भू-राजनीतिक वातावरण 2025: प्रमुख चुनौतियां और अवसर

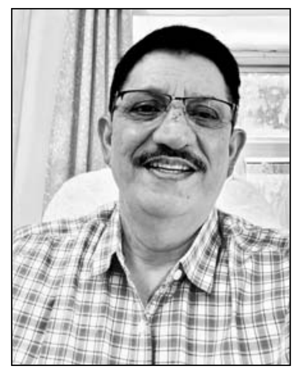

राजेश भूकर

2024 में, विश्वभर में 73 राष्ट्रीय चुनाव हुए, इनमें से कई चुनावों के परिणामस्वरूप मौजूदा राजनीतिक गठजोड़ में बदलाव आया। दुनिया 2025 में अमेरिका और वैश्विक पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण कुछ अन्य देशों में नए राजनीतिक नेतृत्व में बदलाव के साथ प्रवेश कर रही है। वर्ष की प्रमुख चुनौती यह सुनिश्चित करना होगा कि अनिश्चितता के इस दौर में वैश्विक संगठन फलते-फूलते रहें। मध्य पूर्व और यूक्रेन में चल रहे युद्ध, बाल्कन में गहराते मतभेद, दक्षिण चीन सागर में विवाद और साहेल क्षेत्र में बढ़ती अराजकता कुछ ऐसे संकट हैं जो सरकारों और बहुराष्ट्रीय संगठनों के लिए चुनौती बनेंगे। यह बहुसंकट का युग है, एक नया युग जहां कई, परस्पर जुड़ी चुनौतियां एक-दूसरे के प्रभाव को बढ़ाती हैं। ये संकट अकेले नहीं होते, बल्कि भू-रणनीतिक दोष रेखाओं के पार एक-दूसरे को बढ़ाते हैं, स्थानीय मुद्दों को क्षेत्रीय या वैश्विक खतरों में बदल देते हैं। लोकलुभावन और सत्तावादी नेता वैश्विक स्तर पर अपनी पकड़ बना रहे हैं, लोकतांत्रिक संस्थाओं को ख़तरा बन रहे हैं और व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप की वापसी से व्यापार से लेकर क्षेत्रीय संघर्षों तक, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर सबसे व्यापक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि दुनिया के सबसे लगातार संघर्षों को हल करने के लिए बातचीत 2025 में भी जारी रहेगी। मध्य पूर्व और यूक्रेन में युद्ध गंभीर भू-राजनीतिक और मानवीय परिणाम लेकर आए हैं और वैश्विक शांति और सुरक्षा एजेंडे के लिए केंद्रीय बने रहेंगे। यूक्रेन युद्ध एक वैश्विक संघर्ष बन गया है, जिसमें पश्चिमी लोकतांत्रिक राष्ट्र मौजूदा विश्व व्यवस्था को चुनौती देने वाले देशों के एक समूह के खिलाफ़ खड़े हैं। वैश्विक ऊर्जा और अनाज बाजार लगातार खतरे में है। ये न केवल भयानक मानवीय त्रासदी हैं, बल्कि ये पूरी दुनिया को बुनियादी तौर पर विभाजित भी करती हैं। उम्मीद है कि 2025 में ये संघर्ष समाधान और पुनर्निर्माण के एक नए चरण में प्रवेश करेंगे। दिसंबर 2024 में सीरिया में असद शासन के पतन और हयात तहरीर अल शाम के नेतृत्व वाले इस्लामी समूहों द्वारा सत्ता संभालने के बाद, तत्काल चुनौती अंतरराष्ट्रीय समुदाय की मदद से सीरिया के लोगों की वैध आकांक्षाओं को पूरा करने वाला समावेशी और व्यापक राजनीतिक परिवर्तन सुनिश्चित करना है। ट्रम्प प्रशासन का दृष्टिकोण किसी भी समाधान के लिए महत्वपूर्ण रहेगा।

इस बीच, हैती, म्यांमार और यमन में लंबे समय से चल रहे संघर्ष और अस्थिरता से 2024 में हजारों लोग मारे गए और घायल हुए जिसका कोई अंत नहीं दिख रहा है। शांति प्रयास के लिए बहुत कम वास्तविक संसाधन या अंतर्राष्ट्रीय समर्थन है। सर्बिया अभी भी कोसोवो पर दावा करता है और सर्बियाई और कोसोवो दोनों राजनेता घरेलू स्तर पर जनता का समर्थन हासिल करने के लिए राष्ट्रवादी मुद्दे का सहारा लेते हैं। बाल्कन अंतरराष्ट्रीय संघर्षों के स्थानीयकरण और स्थानीय संघर्षों के अंतर्राष्ट्रीयकरण से बढ़ते जोखिम का उदाहरण है। अमेरिका, यूरोपीय संघ, रूस और चीन अभी भी इस क्षेत्र में अस्थिरता फैलाना और स्थिति को ज्वलनशील बनाने में लगे हुए हैं।

साहेल और सहारा के दक्षिण में भूगर्भीय क्षेत्र पर कमज़ोर का शासन है जो तख्तापलट के लिए प्रवण हैं, और राज्य की वैधता की कमी जातीय-धार्मिक और आर्थिक शिकायतों को बढ़ाती है। इसका असर साहेल क्षेत्र में अराजकता, तटीय पश्चिम अफ्रीका और मध्य अफ्रीकी के पड़ोसी क्षेत्रों में अस्थिरता का रूप ले सकता है। दक्षिण चीन सागर, दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण व्यापार मार्गों में से एक है जिसमें प्रचुर ऊर्जा और समुद्री जीवन संसाधन हैं, जो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की भू-राजनीति में एक फ्लैशपॉइंट बन गया है। इसके टापुओं और जल पर दावे और प्रतिदावे दशकों से अनसुलझे रहे हैं और अब अस्वीकार्य चीनी दावों के कारण इस क्षेत्र में चल रहे संघर्ष का स्त्रोत बन गए हैं। (अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत) का फिर से उभरना और चीनी आधिपत्य का मुकाबला करने की इसकी इच्छा और क्षमता इस क्षेत्र को परस्पर विरोधी वाणिज्यिक, कूटनीतिक और सैन्य गतिविधियों का केंद्र बना देगी। दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में संघर्ष के बढ़ने का संभावित जोखिम बढ़ रहा है।

विकास के लिए वित्तपोषण और एक सतत भविष्य में निवेश 2024 में अंतर्राष्ट्रीय वित्तपोषण में आमूलचूल परिवर्तन की मांग और भी तेज हो गई, क्योंकि विश्व नेताओं ने सितंबर, 2024 में संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन में भविष्य के लिए समझौते को अपनाया था। जुलाई, 2025 में सेविले, स्पेन में विकास के लिए वित्तपोषण पर होने वाले आगामी चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान वैश्विक सहयोग को और आगे बढ़ाने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की असली परीक्षा होगी। मौजूदा वित्तीय प्रणालियों को अधिक समावेशी, न्यायसंगत और प्रभावी बनाना तथा दुनिया के सबसे कम विकसित देशों के लिए एक परिवर्तनकारी मार्ग प्रदान करना एक बड़ी चुनौती होगी। जलवायु कार्रवाई सभी की निगाहें 2025 में ब्राजील के बेलेम में होने वाले 30 पर हैं और उम्मीद है कि उससे पहले देश ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में कमी के लक्ष्यों के एक नए दौर की घोषणा कर चुके होंगे, जिन्हें राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान के रूप में जाना जाता है। 2025 में को पेरिस समझौते के 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य के करीब लाने के प्रयास शुरू हो गए हैं। साल 2025 में नेताओं की जिम्मेदारी है कि वे मौजूदा प्रक्षेपवक्र को बदलें और दुनिया को सही दिशा में ले जाएं। लैंगिक समानता लैंगिक समानता की संभावना धूमिल बनी हुई है क्योंकि शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और आंदोलन की स्वतंत्रता के अधिकार सहित कड़ी मेहनत से हासिल किए गए लाभों को दुनिया भर में चुनौती दी जा रही है। तालिबान द्वारा 2024 तक अफगानिस्तान में लड़कियों और महिलाओं के सार्वजनिक रूप से बोलने पर प्रतिबंध और सीरिया के नए शासक के तालिबान के रास्ते पर जाने का डर स्थिति को गंभीर बनाता है। 2025 वैश्विक लैंगिक समानता आंदोलन के लिए एक स्मारक वर्ष है, जो 1995 में बीजिंग में आयोजित महिलाओं पर चौथे विश्व सम्मेलन की 30वीं वर्षगांठ को चिह्नित करता है। संयुक्त राष्ट्रसंघ का पुनर्गठन और सुधार 1945 के बाद से दुनिया में काफी बदलाव आया है, और संयुक्त राष्ट्र जो अपने 80वें वर्ष को चिह्नित करता है, को अपने कामकाज और संरचना का पुनर्गठन और सुधार करके उद्देश्य के लिए उपयुक्त बने रहने के लिए अनुकूल होना चाहिए। सितंबर, 2024 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बहुपक्षवाद को वापस लाने के लिए भविष्य के लिए समझौता अपनाया क्योंकि यह कठिन वर्तमान भू-राजनीतिक संदर्भ में भी बहुपक्षवाद के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का एक अवसर है। प्रासंगिक और प्रभावी बने रहने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा जिन प्रमुख क्षेत्रों को संबोधित करने की आवश्यकता है, वे हैं: अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा, वैश्विक शासन को बदलना, सतत विकास और विकास के लिए वित्तपोषण, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार और डिजिटल सहयोग, और युवा और भावी पीढ़ियाँ का उत्थान। 2025 वैश्विक सहयोग के लिए अवसर और चुनौतियाँ दोनों प्रस्तुत करेगा। चलो इसे हम आशा का वर्ष बनायें जो मानवीय पीड़ा को कम करे, विभाजन को ठीक करे और एक बेहतर और शांतिपूर्ण दुनिया का गवाह बने।

राजेश भूकर, सेवानिवत्त कर्नल।

नई पीढ़ी को देश की मूल संस्कृति व गौरवमयी इतिहास को समझना जरूरी : राज्यपाल बागड़े

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने वैश्विक संदर्भ में भारतीय ज्ञान, परंपरा, अंतर्दृष्टि और नवाचार विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कांफ्रेंस में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की

भीलवाड़ा/शाहपुरा, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि वर्तमान नई पीढ़ी को देश की मूल संस्कृति व गौरवमयी इतिहास को समझना जरूरी है। प्राचीन समय से ही भारत देश विशाल व संपन्न रहा है। भारतीय परंपरा व भारतीय ज्ञान की समझ वर्तमान पीढ़ी में बेहद जरूरी है। राज्यपाल बागड़े भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा में वैश्विक संदर्भ में भारतीय ज्ञान परंपरा, अंतर्दृष्टि और नवाचार विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

राज्यपाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान प्रदेश वीरों व शौर्य की भूमि है, यहां पृथ्वीराज चौहान, महाराणा प्रताप जैसे शासक हुए, जिनकी वीर गाथाओं का भारतीय इतिहास में वर्णन है। राज्यपाल बागड़े ने कहा कि प्राचीन समय में नालंदा विश्वविद्यालय जिसमें विश्वभर से विद्यार्थी अध्ययन करने के लिए आते थे, केंद्र सरकार फिर से नालंदा विश्वविद्यालय को उसी रूप में पुन: खड़ा करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि इतिहास बनाना पड़ता है। देश के इतिहास व संस्कृति को बचाने में कई बुद्धिजीवी व महान लोगों ने योगदान दिया व ज्ञान, परंपरा का प्रचार प्रसार भी किया।

राज्यपाल ने कहा कि देश के पास प्राचीन समय में ही अद्भुत कला व शक्तियां रही है, यही देश की ज्ञान व परंपरा का उदाहरण है। राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति के प्रति शिक्षकों व विद्यार्थियों को रुचि लेने को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि भारत देश को पुन: विकसित राष्ट्र बनाने की संकल्पना के लिए केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दृढ़ संकल्पित है। इस अवसर पर राज्यपाल बागड़े ने राष्ट्रीय संगठन की स्मारिका का विमोचन किया। इस दौरान अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नारायण लाल गुप्ता व संगठन मंत्री महेंद्र कपूर ने वैश्विक संदर्भ में भारतीय ज्ञान, परंपरा के बारे में विचार व्यक्त किये। स्वागत उद्बोधन प्रताप सिंह बारहट महाविद्यालय के प्राचार्य पुष्करराज मीणा ने दिया एवं आभार राष्ट्रीय कांफ्रेंस के संयोजक हंसराज सोनी ने व्यक्त किया। इससे पूर्व राज्यपाल बागड़े ने कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित किया। हैलीपेड पहुंचने पर संभागीय आयुक्त महेश चंद्र शर्मा, जिला कलेक्टर नमित मेहता ने पुष्पगुच्छ भेंट कर राज्यपाल बागड़े का स्वागत अभिनंदन किया।

■ **कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल बागड़े ने राष्ट्रीय संगठन की स्मारिका का विमोचन किया**

राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में संभागीय आयुक्त महेशचंद्र शर्मा, कलेक्टर नमित मेहता, जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह, कार्यवाहक अतिरिक्त कलेक्टर राजकेश मीणा, उपखंड अधिकारी भरत मीणा, सीएमएचओ सीपी गोस्वामी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, प्राचार्य, शिक्षक व शोधार्थी व छात्र मौजूद रहे।

सैन्य सम्मान के साथ सीआरपीएफ के जवान का अंतिम संस्कार

सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट ने पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

राजगढ़, (निसं)। बांदीकुई मार्ग पर बुधवार को गोठ की चौकी के पास सड़क दुर्घटना में मृत सीआरपीएफ जवान नेतराम मीणा का गुरुवार को सैन्य सम्मान के साथ ग्राम दुब्बी मे अंतिम संस्कार किया गया।

■ **कार की टक्कर से बाइक सवार सीआरपीएफ के जवान नेतराम मीणा की मौत हो गई थी**

इस दौरान सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट ने पुष्प चक्र अर्पित कर जवान की पार्थिव देह को श्रद्धांजलि दी। सीआरपीएफ की टुकड़ी ने दिवंगत जवान को सैन्य सम्मान प्रदान किया। इससे पूर्व राजगढ़ चिकित्सालय से गाड़ी में यात्रा उनके पैतृक गांव तक अंतिम यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर प्रमुख लोगों ने पुष्प वर्षा कर जवान को विदाई दी। चिकित्सालय परिसर से सीआरपीएफ की टुकड़ी ने ताबूत को कंधा देकर गाड़ी में रखा। इससे पूर्व सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट श्रवण लाल मीणा एवं थाना प्रभारी राजेश मीणा चिकित्सालय पहुंचे। चिकित्सालय में पोस्टमार्टम के बाद सीआरपीएफ के जवान नेतराम मीणा के शव को सेना के जवानों की टुकड़ी ने कंधा देकर सम्मान दिया। इसके बाद शुभचिंतकों एवं ग्रामीणों की मौजूदगी में शव यात्रा पैतृक ग्राम दुब्बी के लिए रवाना हुई।

बुधवार को बांदीकुई मार्ग पर कार की टक्कर से बाइक सवार सीआरपीएफ के जवान नेतराम मीणा की मौत हो गई थी। सीआरपीएफ जवान बटालियन नंबर 222 में तैनात था, जो छुट्टियों में 6 फरवरी तक गांव आया था। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 29 जनवरी को दोपहर करीब 3 बजे बाइक सवार नेतराम मीणा को बांदीकुई की ओर से आ रही कार चालक ने लापरवाही से टक्कर मार दी। इससे नेतराम मीणा की मौके पर मौत हो गई। नेतराम मीणा के परिवार में पत्नी, पुत्री मुस्कान 12 वर्ष एवं पुत्र अभय उर्फ सागर है। अंतिम संस्कार में भारी संख्या में ग्रामीणों सहित सीआरपीएफ पुलिस बल सहित लोग मौजूद रहे।

आरएएस प्री परीक्षा के प्रवेश पत्र अपलोड

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी (प्रारंभिक) परीक्षा, 2024 का आयोजन 2 फरवरी को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक किया जायेगा। परीक्षा में ओ.एम.आर. उत्तर पत्रक के पांचवें विकल्प को भरने के लिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जायेगा। उक्त परीक्षा के प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाईट एवं एसएसओ आईडी पर अपलोड कर दिये गये है। परीक्षा केन्द्र पर किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारम्भ होने के 60 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश दिया जायेगा। इसके बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 31 जनवरी, 2025

माघ मास शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम सम्वत 2081, पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र रात्रि 2.33 तक, वारियान योग दिन 3.32 तक, शतभिषा नक्षत्र, रात्रि 4.14 तक, कौलव करण दिन 2.00 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ठाह स्थिति - सूर्य-मकर, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मिथुन, बुध-मकर, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में संचार करेगा।

श्रेष्ठ चौघडिया - चट-सूर्योदय से 8.58 तक, लाभ-अमृत 8.38 से 11.14 तक, शुभ 12.04 से 2.01 तक, चट 4.43 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल - 10.30 से 12.00 तक सूर्योदय 7.17 सूर्यास्त 6.04

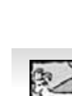

मेष

आर्थिक-वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करे। आज आर्थिक मामलों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बडेगी।

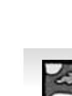

वृष

व्यावसायिक कार्यो के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कर्क

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यो में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यो के लिए दिन ठीक रहेगा।

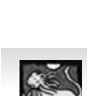

सिंह

व्यावसायिक कार्यो में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक सम्पर्क बनेंगे। नौकरी पेशा व्यक्तियों का प्रभाव प्रभुत्व बडेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में उचित परामर्श मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

घर-परिवार में अथितियों का आगमन रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

व्यावसायिक कार्यो से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में अथितियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

मकर

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

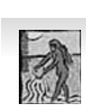

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता हो सकती है और उचित सोच विचार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज पारिवारिक कार्यों के कारण भाग-दौड रहेगी। अर्नगल कार्यों में समय खराब हो सकता है।